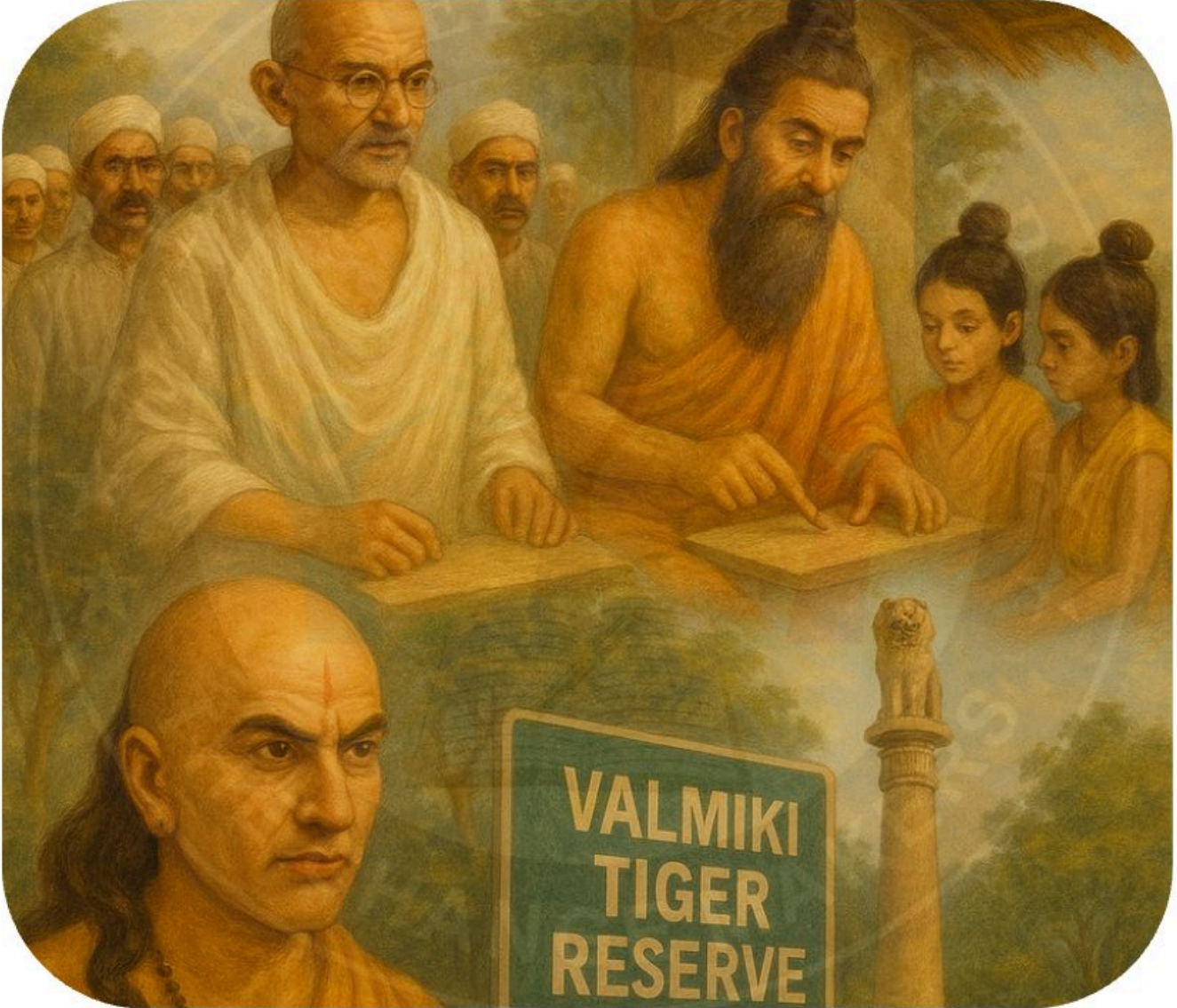


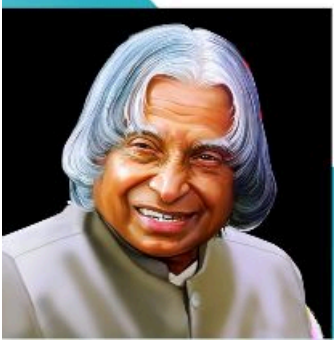
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 06 अक्टूबर 2026, अंक -372.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



सबसे बड़ा धर्म मानवता की सेवा है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार





Tuesday Prayer

बिहार राज्य गीत

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

राष्ट्रगान

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़ियां कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. अल्बानिया की राजधानी क्या है?

उत्तर: तिराना

प्रश्न 2. भारत के पहले फील्ड मार्शल कौन थे?

उत्तर: सैम मानेकशॉ

प्रश्न 3. 'मोरुली' किस राज्य की पारंपरिक लोकनृत्य शैली है?

उत्तर: असम

प्रश्न 4. 3, 6 और 9 का लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) कितना है?

उत्तर: 18

प्रश्न 5. 'घोड़ा कटोरा' बिहार के किस जिले में स्थित है?

उत्तर: नालंदा

प्रश्न 6. मकड़ी अपने जाल को बनाने के लिए किस पदार्थ का उपयोग करती है?

उत्तर: रेशम

प्रश्न 7. डायोड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले भारतीय वैज्ञानिक का नाम क्या था?

उत्तर: जगदीश चंद्र बोस

प्रश्न 8. भारतीय संविधान में राज्य के नीति-निदेशक तत्व किस भाग में हैं?

उत्तर: भाग IV

प्रश्न 9. 'जो कठिनाई से प्राप्त हो' – उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: दुर्लभ

प्रश्न 10. अनाज से भूसी अलग करने के लिए हवा की सहायता से की जाने वाली विधि क्या कहलाती है?

उत्तर: ओसाई

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Drought - ड्राउट - सूखा
- 2 Flood - फ्लड - बाढ़
- 3 Earthquake - अर्थक्वेक - भूकंप
- 4 Landslide - लैंडस्लाइड - भूस्खलन
- 5 Cyclone - साइक्लोन - चक्रवात
- 6 Hailstorm - हेलस्टॉर्म - ओलावृष्टि
- 7 Avalanche - ऐवलॉन्च - हिमस्खलन



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "What are you going to + V1?"

(तुम/आप ... क्या करने वाले हो/हैं?)

1. तुम आज छुट्टी में क्या करने वाले हो? – What are you going to do today during the holiday?
2. तुम अपने जन्मदिन पर क्या खरीदने वाले हो? – What are you going to buy on your birthday?
3. तुम प्रतियोगिता के लिए क्या तैयार करने वाले हो? – What are you going to prepare for the competition?
4. तुम अपने छोटे भाई को क्या सिखाने वाले हो? – What are you going to teach your younger brother?
5. तुम विद्यालय के कार्यक्रम में क्या प्रस्तुत करने वाले हो? – What are you going to present at the school programme?



संकलन:-

अभिनव राज

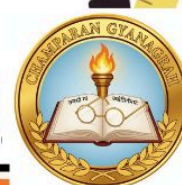
प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण



"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)



प्र.1. प्रतिवर्ष अक्टूबर के प्रथम सोमवार संयुक्त राष्ट्र द्वारा सभी के लिए पर्याप्त आश्रय और सतत शहरीकरण को बढ़ावा देने हेतु कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व पर्यावास दिवस (World Habitat Day)

व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1985 में संकल्प 40/202 पारित कर प्रतिवर्ष अक्टूबर के प्रथम सोमवार को 'विश्व पर्यावास दिवस' (World Habitat Day) के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के नगरों और कस्बों की स्थिति पर विचार करना तथा सभी नागरिकों के बुनियादी मानवाधिकार के रूप में पर्याप्त, सुरक्षित और वहनीय आश्रय (आवास) के अधिकार को रेखांकित करना है। भारत में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' (शहरी एवं ग्रामीण) के माध्यम से झुग्गीवासियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को पक्के घर उपलब्ध कराकर इस दिशा में सतत कार्य किया जा रहा है।

संदर्भ: UN-Habitat Official Portal; United Nations General Assembly Resolution 40/202; Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA) Guidelines.

प्र.2. अक्टूबर 2026 में भारत सरकार द्वारा सेमीकंडक्टर निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को गति देने हेतु किस राज्य में स्थापित देश की पहली वाणिज्यिक सिलिकॉन कार्बाइड (SiC) फैब सुविधा का संचालन शुरू किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: ओडिशा (भुवनेश्वर)

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के तहत ओडिशा के भुवनेश्वर (इन्फोवैली) में भारत की पहली वाणिज्यिक सिलिकॉन कार्बाइड (SiC) पावर सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई का औपचारिक संचालन शुरू किया गया। सिलिकॉन कार्बाइड चिप्स उच्च वोल्टेज, उच्च तापमान और तेज स्विचिंग आवृत्तियों पर कार्य करने में सक्षम होते हैं। इनका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों (EV), सौर इनवर्टर, फास्ट चार्जर और रक्षा उपकरणों में अत्यधिक होता है। यह संयंत्र भारत को अगली पीढ़ी के पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर है।

संदर्भ: Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) Press Release October 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध सामाजिक उपन्यास है, जिसमें 1930 के दौर में वेश्या-जीवन की त्रासदी, सामाजिक कुरीतियों, सुधारवादी चेतना और 'सुमन' के आत्म-संघर्ष की मार्मिक कथा वर्णित है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: सेवा सदन (1919)

व्याख्या: 'सेवा सदन' (1919) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक युगांतरकारी सामाजिक यथार्थवादी उपन्यास है, जिसे उन्होंने मूल रूप से उर्दू में 'बाजारे-हुस्न' नाम से लिखा था। यह उपन्यास तत्कालीन हिंदू समाज में नारी जीवन की विवशताओं, दहेज प्रथा के सामाजिक दुष्परिणामों, अनमेल विवाह और वेश्यावृत्ति के कारणों पर तीखा प्रहार करता है। मुख्य पात्र 'सुमन' के जीवन संघर्ष के माध्यम से प्रेमचंद ने तत्कालीन पुरुष-प्रधान सामंती समाज के पाखंड और संस्थागत भ्रष्टाचार को उजागर किया है। उपन्यास के अंत में 'सेवा सदन' नामक संस्था की स्थापना कर उपेक्षित नारियों को सम्मानजनक जीवन, व्यावसायिक शिक्षा और स्वावलंबन का मार्ग दिखाया गया है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद - 'सेवा सदन', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य)

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी निश्चित क्षेत्र में पोषक तत्वों की अत्यधिक प्रचुरता के कारण जलीय पौधों की अप्रत्याशित वृद्धि और तली में मृत जीवों के सड़ने से उत्पन्न अत्यधिक दुर्गंधयुक्त गैस कौन-सी है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: हाइड्रोजन सल्फाइड (H₂S)

व्याख्या: जब जलाशयों में कृषि अपवाह और सीवेज के कारण सुपोषण (Eutrophication) होता है, तो शैवाल के मृत होने पर उनके अपघटन के दौरान पानी की समस्त घुलित ऑक्सीजन समाप्त हो जाती है। इस अवायवीय (Anaerobic) अवस्था में अवायवीय जीवाणु सड़े हुए बायोमास का अपघटन करते हैं। इस प्रक्रिया में कार्बनिक पदार्थों के सल्फर यौगिकों से 'हाइड्रोजन सल्फाइड' (H₂S) गैस उत्पन्न होती है, जिसकी गंध सड़े हुए अंडे जैसी होती है। यह गैस अत्यंत विषैली होती है और जलीय जीवों के लिए प्राणघातक सिद्ध होती है तथा जल की अम्लता बढ़ाकर पारिस्थितिकी तंत्र को पूरी तरह मृतप्राय कर देती है।

संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 408-412;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मंदसौर (मध्य प्रदेश) में मुगल राजवंश के किस राजकुमार ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित किया था? (इतिहास)

उत्तर: शहजादा फिरोज शाह

व्याख्या: शहजादा फिरोज शाह (1832-1877) 1857 के महान राष्ट्रीय विद्रोह के एक अत्यंत साहसी, जुझारू और सैन्य रूप से कुशल नेता थे। वे अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र के भतीजे थे। मक्का की तीर्थयात्रा से लौटकर उन्होंने मध्य प्रदेश के मंदसौर को अपना केंद्र बनाया और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित कर अफगान और मेवाती सैनिकों की एक विशाल विद्रोही सेना तैयार की। उन्होंने मध्य भारत, राजस्थान और बुंदेलखंड में ब्रिटिश सेनाओं को कई भीषण युद्धों में टक्कर दी। दिल्ली और लखनऊ के पतन के बाद भी उन्होंने तात्या टोपे और राव तुला राम के साथ मिलकर लंबे समय तक अंग्रेजों के खिलाफ छापामार युद्ध जारी रखा।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-58;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी घाट में महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर से निकलकर आंध्र प्रदेश के तट पर बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली गोदावरी नदी के डेल्टाई मुहाने पर स्थित मैंग्रोव वन कौन-से हैं? (भूगोल)

उत्तर: कोरिंगा मैंग्रोव वन (Coringa Mangroves)

व्याख्या: कोरिंगा मैंग्रोव आंध्र प्रदेश के काकीनाडा के निकट गोदावरी नदी के विस्तृत डेल्टाई मुहाने पर स्थित भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र है (सुंदरबन के बाद)। यह लगभग 235 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह क्षेत्र 35 से अधिक विशिष्ट मैंग्रोव प्रजातियों (जैसे राइजोफोरा, एविसेनिया) और समृद्ध तटीय जैव-विविधता का घर है। कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य गंभीर रूप से संकटग्रस्त 'सफेद पीठ वाले गिद्ध' और 'फिशिंग कैट' (मछुआरा बिल्ली) के प्रमुख पर्यावास के लिए जाना जाता है। यह मैंग्रोव वन चक्रवातों और समुद्री तूफानों से आंध्र तट को प्राकृतिक सुरक्षा दीवार प्रदान करते हैं।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 5 "प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी", p. 44-47; NCERT Class 11 India Physical Environment, Ch 5;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को कृषि और पशुपालन को आधुनिक और वैज्ञानिक प्रणालियों से संगठित करने तथा गायों व बछड़ों के बंधन पर रोक लगाने का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 48 (राज्य के नीति निर्देशक तत्व)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में राज्य की नीति के निर्देशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 48' कृषि और पशुपालन के वैज्ञानिक संगठन से संबंधित है। यह प्रावधान करता है कि "राज्य कृषि और पशुपालन को आधुनिक और वैज्ञानिक प्रणालियों से संगठित करने का प्रयास करेगा और विशिष्टता गायों और बछड़ों तथा अन्य दुधारू और वाहक मवेशियों की नस्लों के परिरक्षण और सुधार के लिए तथा उनके बंधन का प्रतिबंध करने के लिए कदम उठाएगा।" यह अनुच्छेद देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले पशुधन के संवर्धन और पारंपरिक कृषि ज्ञान के संरक्षण पर बल देता है।

संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 48; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights & DPSPs, p. 43-46;

प्र.8. किसी माध्यम में प्रकाश की चाल 2×10^8 मीटर/सेकंड है; यदि निर्वात में प्रकाश की चाल 3×10^8 मीटर/सेकंड हो, तो उस माध्यम का निरपेक्ष अपवर्तनांक कितना होगा? (विज्ञान)

उत्तर: 1.5

व्याख्या: किसी पारदर्शी माध्यम का निरपेक्ष अपवर्तनांक (n) निर्वात में प्रकाश की चाल (c) और उस माध्यम में प्रकाश की चाल (v) का अनुपात होता है।

सूत्र: $n = c / v$, यहाँ दिया गया है: निर्वात में प्रकाश की चाल (c) = $3 \times 10^8 \text{ m/s}$

माध्यम में प्रकाश की चाल (v) = $2 \times 10^8 \text{ m/s}$, मान प्रतिस्थापित करने पर:

$n = (3 \times 10^8) / (2 \times 10^8)$, $n = 3 / 2 = 1.5$, चूँकि अपवर्तनांक दो समान भौतिक राशियों (चाल) का अनुपात है, अतः यह मात्रक-हीन (Unitless) होता है। अपवर्तनांक 1.5 सामान्यतः कांच (क्राउन ग्लास) का होता है, जो यह दर्शाता है कि उस माध्यम में प्रकाश की चाल निर्वात की तुलना में 1.5 गुना कम है।

प्र.9. 11वीं शताब्दी में गुजरात के मोढेरा में सोलंकी वंश के सम्राट भीमदेव प्रथम द्वारा पुष्पावती नदी के तट पर मारू-गुर्जर शैली में निर्मित भव्य सूर्य मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: मोढेरा का सूर्य मंदिर (Modhera Sun Temple)

व्याख्या: मोढेरा का सूर्य मंदिर गुजरात के मेहसाणा जिले के मोढेरा गाँव में स्थित सोलंकी (चालुक्य) कालीन स्थापत्य कला का एक बेजोड़ और भव्य स्मारक है। इसका निर्माण 1026-27 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के प्रतापी राजा भीमदेव प्रथम ने करवाया था। यह मंदिर तीन प्रमुख भागों में विभाजित है: 'गूढमंडप' (गर्भगृह), 'सभामंडप' (52 नक्काशीदार स्तंभों वाला विशाल खुला कक्ष जो वर्ष के 52 सप्ताहों का प्रतीक है), और एक विशाल अलंकृत जलकुंड जिसे 'रामकुंड' या 'सूर्यकुंड' कहा जाता है। इस मंदिर की खगोलीय बनावट ऐसी है कि विषुव (Equinox) के दिन प्रातःकाल की पहली सूर्य किरण गर्भगृह में स्थापित सूर्य देव की मूर्ति के मस्तक पर सीधे पड़ती थी।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 77-80;

प्र.10. 1919 में स्वामी विद्यानंद के नेतृत्व में बिहार के दरभंगा, मधुबनी और पूर्णिया क्षेत्रों में दरभंगा राज के विरुद्ध संगठित हुआ शक्तिशाली आंदोलन कौन-सा था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: किसान आंदोलन (दरभंगा राज विरोध)

व्याख्या: 1919-20 में बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र (दरभंगा, मधुबनी, सहरसा और पूर्णिया) में दरभंगा राज के महाराजा की शोषणकारी नीतियों, अत्यधिक लगान, वनों से लकड़ी चुनने पर रोक और चराई कर के विरुद्ध एक व्यापक कृषक आंदोलन भड़का। इस आंदोलन का नेतृत्व स्वामी विद्यानंद (वास्तविक नाम: विभूषण प्रसाद) ने किया। उन्होंने महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से प्रेरणा लेकर रैयतों और छोटे किसानों को एकजुट किया। स्वामी विद्यानंद ने किसानों के अधिकारों के लिए 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' के गठन से भी पहले किसान रैलियाँ आयोजित कीं और ब्रिटिश सरकार तथा दरभंगा राज को किसानों के शोषण की जांच हेतु विवश किया।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Peasant Movements; NCERT Modern Indian History Reference;

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W1 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि किसी छात्र को नदी पार करने हेतु नाव की सवारी करनी पड़े, तो सुरक्षित यात्रा हेतु कौन-से दो बुनियादी सुरक्षा नियम अपनाने चाहिए और लाइफ-जैकेट (Life Jacket) का सही उपयोग क्यों अनिवार्य है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: अधिकृत नाव व क्षमता अनुसार बैठना, शांत रहना; सिर को पानी के ऊपर रखकर डूबने से शत-प्रतिशत रक्षा

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W1: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार, जल-सुरक्षा के बुनियादी नियम जीवन-रक्षक सिद्ध होते हैं: (1) हमेशा सुरक्षित, प्रमाणित और पंजीकृत नाव का ही चयन करें; कभी भी जर्जर, टूटी हुई या बिना मल्लाह वाली नाव पर न चढ़ें; (2) यदि नाव पर पहले से क्षमता से अधिक लोग या प्रवेशी सवार हों, तो ऐसी नाव पर बिल्कुल न चढ़ें और अगली सुरक्षित नाव की प्रतीक्षा करें; (3) यात्रा के दौरान नाव में खड़े होकर हुड़दंग न करें, न ही झुककर पानी को छूने की कोशिश करें; (4) लाइफ-जैकेट (Life Jacket) का अनिवार्य उपयोग – पानी की यात्रा शुरू करने से पूर्व सभी बकल कसकर लाइफ-जैकेट पहनें; यह उच्च उछाल (High Buoyancy) वाला प्रमाणित उपकरण किसी व्यक्ति के बेहोश होने की स्थिति में भी उसके सिर और मुंह को पानी की सतह से ऊपर बनाए रखता है, जिससे डूबने का जोखिम शून्य हो जाता है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W1 – "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी"

प्र.12. एक आयताकार खेत की लंबाई उसकी चौड़ाई की 3 गुनी है। यदि उस खेत का परिमाप 96 मीटर है, तो उस आयताकार खेत का क्षेत्रफल कितने वर्ग मीटर होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीजनिंग)

उत्तर: 432 वर्ग मीटर

व्याख्या: यह आयत के परिमाप और क्षेत्रफल पर आधारित एक मानक, तार्किक और महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है। माना कि आयताकार खेत की चौड़ाई = x मीटर है, प्रश्नानुसार, लंबाई उसकी चौड़ाई की 3 गुनी है, अतः खेत की लंबाई = $3x$ मीटर। आयत के परिमाप का सूत्र = $2 \times (\text{लंबाई} + \text{चौड़ाई})$, यहाँ परिमाप = 96 मीटर दिया गया है, $2 \times (3x + x) = 96$, $2 \times 4x = 96$, $8x = 96$, $x = 96 / 8 = 12$ मीटर (चौड़ाई), अब, खेत की लंबाई = $3x = 3 \times 12 = 36$ मीटर, खेत का क्षेत्रफल = $\text{लंबाई} \times \text{चौड़ाई}$ $\text{क्षेत्रफल} = 36 \times 12$, $\text{क्षेत्रफल} = 432$ (वर्ग मीटर), अतः उस आयताकार खेत का क्षेत्रफल ठीक 432 वर्ग मीटर होगा। (जॉच: परिमाप = $2 \times (36 + 12) = 2 \times 48 = 96$ मीटर)।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 11 "परिमाप और क्षेत्रफल", p. 210–216;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Apathy (ऐपथी) = Indifference (इन्डिफरेंस) = उदासीनता / अरुचि / भावहीनता
Antonym – Enthusiasm (एन्थूज़ियाज़्म) = उत्साह / जोश
2. Concur (कन्कर) = Agree (अग्री) = सहमत होना / एकमत होना
Antonym – Disagree (डिसअग्री) = असहमत होना
3. Derogatory (डिरॉगेटरी) = Disparaging (डिस्पैरिजिंग) = अपमानजनक / निंदात्मक
Antonym – Complimentary (कॉम्प्लिमेन्टरी) = प्रशंसात्मक / सराहनापूर्ण
4. Exculpate (एक्सक्लपेट) = Acquit (अक्विट) = दोषमुक्त करना / आरोप से मुक्त करना
Antonym – Incriminate (इन्क्रिमिनेट) = दोषी ठहराना / अपराध में फँसाना
5. Impassive (इम्पैसिव) = Emotionless (इमोशनलेस) = भावहीन / निर्विकार / भावनाओं को प्रकट न करने वाला
Antonym – Expressive (एक्सप्रेसिव) = भावनाएँ

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



World Teachers' Day 2026: PM Modi pays tribute to teachers; highlights NEP 2020's focus on teacher empowerment

हिन्दी अनुवाद: विश्व शिक्षक दिवस 2026: PM मोदी ने शिक्षकों को श्रद्धांजलि दी; NEP 2020 के शिक्षक सशक्तिकरण पर बल दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षक सशक्तिकरण, निरंतर प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण उपकरणों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सशक्त शिक्षक आवश्यक हैं। UPSC/BPSC के लिए: World Teachers' Day — 5 अक्टूबर; NEP 2020 — राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020; NCTE — राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद।

HDFC Bank appoints Sashidhar Jagdishan as MD & CEO for another 3 years; RBI approves re-appointment

हिन्दी अनुवाद: HDFC बैंक ने शाशिधर जगदीशन को 3 वर्ष के लिए फिर से MD & CEO नियुक्त किया; RBI ने पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दी।

HDFC बैंक ने शाशिधर जगदीशन को प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (MD & CEO) के रूप में तीन वर्ष के लिए पुनर्नियुक्त किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने उनकी पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वे 2020 से इस पद पर हैं। UPSC/BPSC के लिए: MD & CEO — प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी; RBI — भारतीय रिजर्व बैंक; Private sector banks — निजी क्षेत्र के बैंक।

Defence Accounts Department launches DigiAudit 2.0 and CDA (Pension) e-Newsletter on 279th Annual Day

हिन्दी अनुवाद: रक्षा लेखा विभाग ने 279वें वार्षिक दिवस पर DigiAudit 2.0 और CDA (पेंशन) ई-न्यूज़लेटर लॉन्च किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1 अक्टूबर को रक्षा लेखा विभाग (DAD) के 279वें वार्षिक दिवस पर तीन प्रमुख पहलें लॉन्च कीं: DigiAudit 2.0, DAD रक्षा लेखाकाकार पोर्टल, और CDA (पेंशन) ई-न्यूज़लेटर। ये पहलें डिजिटल सुधार और पारदर्शिता को बढ़ावा देंगी। UPSC/BPSC के लिए: Defence Accounts Department — रक्षा लेखा विभाग; DigiAudit — डिजिटल ऑडिट; CDA — कंट्रोल डिफेंस अकाउंट्स।

INTERNATIONAL NEWS

52 countries pledge tougher measures to curb Iran's nuclear and missile programmes; UN sanctions reinstated

हिन्दी अनुवाद: 52 देशों ने ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को रोकने के लिए कड़े उपायों का संकल्प लिया; UN प्रतिबंध बहाल।

प्रसार सुरक्षा पहल (PSI) के 52 सदस्य देशों ने ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को रोकने के प्रयासों को मजबूत करने का संकल्प लिया है। 27 सितंबर 2025 को 'स्नेपबैक' प्रक्रिया पूरी होने के बाद छह UN सुरक्षा परिषद प्रस्ताव (1696, 1737, 1747, 1803, 1835, 1929) फिर से लागू हो गए हैं। देशों ने ईरान को IAEA के साथ पूर्ण सहयोग करने का आह्वान किया। UPSC/BPSC के लिए: PSI — प्रसार सुरक्षा पहल; UNSC resolutions — UN सुरक्षा परिषद प्रस्ताव; IAEA — अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी।

Iran says Strait of Hormuz will remain closed until seven conditions met; no US vessels in Gulf, claims IRGC

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य तब तक बंद रहेगा जब तक सात शर्तें पूरी नहीं होतीं; IRGC का दावा — खाड़ी में कोई US पोत नहीं।

ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाज़रग़ानि ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य तब तक "बंद" रहेगा जब तक US जून के 14-बिंदु समझौता ज्ञापन (MoU) पर आधारित सात शर्तों को पूरा नहीं करता। IRGC के रियर एडमिरल अली फदावी ने दावा किया कि पहली बार संघर्ष शुरू होने के बाद से खाड़ी, होर्मुज़ जलडमरूमध्य, ओमान सागर या उत्तरी हिंद महासागर में कोई US पोत नहीं है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; IRGC — इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स; MoU — समझौता ज्ञापन।

Houthi claim ballistic missile attack on Aramco oil refinery in Riyadh; US deploys additional Patriot systems to Saudi Arabia, Qatar

हिन्दी अनुवाद: हुथियों ने रियाद में अरामको तेल रिफाइनरी पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले का दावा किया; US ने सऊदी अरब, कतर में अतिरिक्त पैट्रियट सिस्टम तैनात किए।

यमन के हुथि विद्रोहियों ने सऊदी अरब के रियाद में अरामको तेल रिफाइनरी पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। अमेरिका ने संभावित ईरानी हमलों से प्रमुख ऊर्जा सुविधाओं की रक्षा के लिए सऊदी अरब और कतर में अतिरिक्त पैट्रियट एयर-डिफेंस सिस्टम तैनात किए हैं। UPSC/BPSC के लिए: Houthi rebels — हुथि विद्रोही; Patriot systems — पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली; Aramco — अरामको (सऊदी अरब की राष्ट्रीय तेल कंपनी)।

BIHAR NEWS

Bihar floods: Gandak begins receding; 7 engineers suspended over flood response lapses in Saran, Vaishali
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: गंडक घटने लगा; सारण, वैशाली में बाढ़ प्रतिक्रिया में चूक पर 7 इंजीनियर निलंबित।
बिहार में गंडक नदी का जलस्तर घटने लगा है। सारण के रेवाघाट पर गंडक का जलस्तर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से 177 सेमी घट गया है और अब खतरे के निशान से 50 सेमी नीचे है। वैशाली के लालगंज पर स्तर 130 सेमी घटा है लेकिन अभी भी खतरे के निशान से 52 सेमी ऊपर है। राज्य सरकार ने बाढ़ प्रतिक्रिया में चूक के आरोप में सात इंजीनियरों को निलंबित कर दिया है। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; Flood management — बाढ़ प्रबंधन।

Bihar floods: 2.03 lakh affected in 6 districts; 6 embankments breached, Ganga flowing above danger mark in Patna

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 6 जिलों में 2.03 लाख प्रभावित; 6 बांध टूटे, पटना में गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही।
नेपाल में भारी बारिश के बाद बिहार के 6 जिलों में लगभग 2.03 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। सारण, गोपालगंज और पश्चिम चंपारण सहित 6 स्थानों पर बांध टूट गए हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और गांधी घाट पर जलस्तर 49.67 मीटर (1.07 मीटर खतरे के निशान से ऊपर) दर्ज किया गया। IAF हेलीकॉप्टरों का उपयोग राहत सामग्री की एयरड्रॉप के लिए किया जा रहा है। UPSC/BPSC के लिए: Embankment breach — बांध टूटना; Flood relief — बाढ़ राहत; IAF — भारतीय वायु सेना।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India finishes with historic 85 medals (21 gold, 27 silver, 37 bronze); best-ever performance, 4th in medal tally

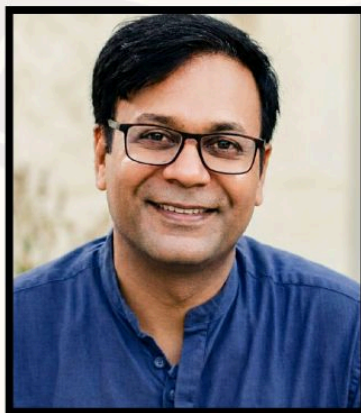
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत ने ऐतिहासिक 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ समापन किया; सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, पदक तालिका में चौथे स्थान पर।

भारत ने नागोया, जापान में एशियाई खेल 2026 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ चौथे स्थान पर रहा। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल में जापान को 5-1 से हराकर स्वर्ण जीता, जबकि महिला हॉकी टीम ने रजत जीता। महिला क्रिकेट टीम ने भी स्वर्ण जीता। कुश्ती, मुक्केबाजी, शूटिंग और तीरंदाजी में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल, चार साल में एक बार; OCA — एशियाई ओलंपिक परिषद; Medal tally — पदक तालिका।

Men's Hockey: India beats Japan 5-1 in final to win gold; first Asian Games hockey gold since 2014

हिन्दी अनुवाद: पुरुष हॉकी: भारत ने फाइनल में जापान को 5-1 से हराकर स्वर्ण जीता; 2014 के बाद पहला एशियाई खेल हॉकी स्वर्ण।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई खेल 2026 के फाइनल में जापान को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह भारत का 2014 (इंचियोन) के बाद एशियाई खेलों में पहला हॉकी स्वर्ण पदक है। भारत ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में जापान को करारी शिकस्त दी। UPSC/BPSC के लिए: FIH — अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ; AHF — एशियाई हॉकी महासंघ; Asian Games — एशियाई खेल।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

आज का विचार:

इच्छाओं को अपना स्वामी मत बनने दीजिए; विवेक को सारथी बनाइए। जब भी मन में किसी चीज़ के प्रति अंधी ज़िद या अचानक गुस्सा भड़के, तो ठहरकर पहचानिए कि आपका वास्तविक शत्रु बाहर कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि आपके भीतर की यह अतृप्त तृष्णा है।

लालबहादुर शास्त्री जी बहुत ही हंसमुख स्वभाव के थे। लोग उनके भाषण, सादगी और निस्वार्थ सेवा-भाव से सहज ही प्रभावित हो जाते थे।

लेकिन जब वे लोक सेवा मंडल के सदस्य बने, तो वे बहुत संकोची हो गए। उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं था कि उनका नाम अखबारों में छपे... लोग उनकी प्रशंसा करें... या उनके काम के लिए उनका स्वागत किया जाए।

एक दिन उनके कुछ मित्रों ने उनसे पूछा— “शास्त्री जी, आपको अखबारों में नाम छपवाने से इतनी परेशानी क्यों है?”

शास्त्री जी कुछ देर शांत रहे। फिर मुस्कुराकर बोले—

“लाला लाजपत राय जी ने लोक सेवा मंडल के कार्य की दीक्षा देते हुए मुझसे एक बात कही थी। लालबहादुर... ताजमहल में दो प्रकार के पत्थर लगे हैं। एक बढ़िया संगमरमर के पत्थर हैं, जिन्हें सारी दुनिया देखती है और उनकी प्रशंसा करती है। दूसरे वे पत्थर हैं, जो ताजमहल की नींव में लगे हैं... जिन्हें कोई देख नहीं सकता। लेकिन ताजमहल को खड़ा रखने का काम वे ही करते हैं।”

शास्त्री जी ने कहा— “लालाजी के ये शब्द मुझे हर समय याद रहते हैं। मैं नींव का पत्थर ही बना रहना चाहता हूँ।”

शास्त्री जी की यह बात हमें एक बहुत बड़ी सीख देती है।

हर किसी को शिखर पर दिखाई देने वाला पत्थर बनने की इच्छा होती है...

लेकिन महान इमारतें उन पत्थरों से खड़ी होती हैं, जो नींव में रहकर अपना कर्तव्य निभाते हैं।

सच्ची सेवा वही है... जो सामने आने की नहीं, काम आने की इच्छा रखती है।



.....✍
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-12

सोचो... समझो... हल करो...

	6		8					
					2	3		
1	7				3			5
			6					
5			7			1		3
				4	9			
4	9	6						
3								8
	8		3		7			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"सफलता पाने के लिए सबसे बड़ी शर्त यह है कि आप कभी हार न मानें।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

9	6	3	8	5	4	2	1	7
8	5	4	1	7	2	3	9	6
1	7	2	9	6	3	4	8	5
7	2	8	6	3	1	9	5	4
6	4	9	7	2	8	1	6	3
8	3	1	6	4	9	8	7	2
4	9	8	2	3	5	7	3	1
3	1	7	4	9	6	5	2	8
2	8	5	3	1	7	8	4	9

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 3, श्लोक 37

श्रीभगवानुवाच

काम एष क्रोध एष रजोगुणसमुद्भवः।

महाशनो महापाप्मा विद्ध्येनमिह वैरिणम्॥

सरल हिन्दी अर्थ:

श्रीभगवान ने कहा: यह 'काम' (तीव्र कामना, वासना या अनियंत्रित इच्छा) ही है और यही 'क्रोध' है, जो रजोगुण से उत्पन्न होता है। यह बहुत खाने वाला (कभी तृप्त न होने वाला) और महापापी है; तुम इस संसार में इसे ही अपना सबसे बड़ा शत्रु जानो।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

अर्जुन ने भगवान से पूछा था कि मनुष्य न चाहते हुए भी, बलपूर्वक धकेले जाने की तरह पाप या गलत रास्ते पर क्यों चल पड़ता है? श्रीकृष्ण यहाँ समस्या की जड़ को उजागर करते हैं—अनियंत्रित इच्छा (Desire) और उससे जन्मा गुस्सा (Anger)।

- इच्छा और क्रोध का दोहरा रूप: 'काम' (Desire) जब पूरा नहीं होता या उसमें कोई रुकावट आती है, तो वही तुरंत 'क्रोध' (Rage) का रूप ले लेता है। ये दोनों अलग नहीं, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।
- महाशनः (The Never-Ending Craving Loop): 'महाशनः' का अर्थ है जिसे कितना भी खिलाओ, उसकी भूख कभी शांत नहीं होती। आधुनिक न्यूरोसाइंस इसे 'डोपामिन लूप' (Dopamine Loop) कहती है—एक इच्छा पूरी होते ही मन दूसरी, उससे भी बड़ी मांग सामने रख देता है। यदि इस पर विवेक का अंकुश न लगे, तो यह व्यक्ति की बुद्धि और शांति दोनों को निगल जाता है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏





मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पोर्टल नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्यग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पाठ्यक्रम पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलता हुआ जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम

वात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के गुप्तों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे केनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले गुप्तों में शेयर किया रिसर्पान्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसमें 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रवत में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चोरी की लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

■ यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में चल रही शिक्षा का स्वरूप
■ शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवन-उपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों का एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,



प्रखंड संस्कार केंद्र बगहा दो में ज्ञानाग्रह

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संरचना बहुआयामी है, जिसमें 'संपादक मंडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है। शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सरावत



'बा' कस्तूरबा गांधी

प्यारे बच्चों, आपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यानी हमारे प्यारे बापू की महान कहानियाँ तो खूब सुनी हैं। पर क्या आप जानते हैं कि बापू के हर कठिन कदम में एक ऐसी ममतामयी और साहसी शक्ति उनके साथ खड़ी रहती थी, जिन्हें पूरा देश आदर और प्यार से 'बा' (यानी माँ) कहकर पुकारता है? वे थीं कस्तूरबा गांधी। कस्तूरबा जी का जन्म 11 अप्रैल 1869 को गुजरात के समुद्र तटीय शहर पोरबंदर में हुआ था। उनके पिता श्री गोकुलदास कपाड़िया एक बहुत ही प्रतिष्ठित और संपन्न व्यापारी थे, जो गांधीजी के पिता करमचंद गांधी के घनिष्ठ मित्र थे। उनकी माता का नाम श्रीमती ब्रजकुंवरबा था, जो अत्यंत दयालु, धर्मपरायण और सुघड़ गृहिणी थीं। बचपन में माता-पिता ने अपनी इस लाडली बेटी का नाम बड़े प्यार से 'कस्तूर' रखा था।

उस ज़माने में बालिकाओं को स्कूल भेजने का रिवाज़ नहीं था, इसलिए नहीं कस्तूर स्कूल तो नहीं जा सकतीं, लेकिन उन्होंने घर के कामों, सेवा-भाव और सच के रास्ते पर चलने के ऊँचे संस्कार अपनी माँ से सीखे। जब वे मात्र तेरह वर्ष की थीं, तब उनका विवाह मोहनदास करमचंद गांधी (महात्मा गांधी) के साथ हुआ। विवाह के बाद गांधीजी ने उन्हें अक्षर ज्ञान और पढ़ना-लिखना सिखाया। कस्तूरबा स्वभाव से अत्यंत सरल, शांत और स्नेहमयी थीं, पर जब बात आत्मसम्मान, सच्चाई और उसूलों की आती थी, तो वे किसी के आगे नहीं झुकती थीं। स्वयं गांधीजी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि अहिंसा और दृढ़ता का पहला पाठ उन्होंने किसी किताब से नहीं, बल्कि कस्तूरबा के अटल स्वभाव से सीखा था।

जब गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों और गिरमिटिया मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे, तब कस्तूरबा केवल घर संभालने वाली गृहिणी नहीं रहीं, बल्कि एक वीरांगना बनकर मैदान में उतर पड़ीं। दक्षिण अफ्रीका की गोरी सरकार ने जब भारतीय शादियों को गैरकानूनी घोषित कर दिया और मजदूरों पर भारी टैक्स लगा दिया, तब कस्तूरबा ने महिलाओं की टोली का नेतृत्व किया और आंदोलन छेड़ दिया। अंग्रेज़ पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और तीन महीने के लिए जेल की कालकोठरी में डाल दिया। वहाँ का सड़ा हुआ खाना और बीमारियाँ भी उनके फौलादी इरादों को डिगा नहीं सकीं।

भारत लौटकर जब गांधीजी ने साबरमती आश्रम बनाया, तो कस्तूरबा पूरे आश्रम की माँ बन गईं। वे हर किसी के सुख-दुख का ध्यान रखतीं, रसोई में सबके लिए भोजन बनातीं और हरिजन बालकों को नहला-धुलाकर अपने बच्चों की तरह प्यार करतीं। जब चंपारण (बिहार) में किसानों का आंदोलन हुआ, तो कस्तूरबा ने वहाँ के गाँवों में जाकर महिलाओं को स्वच्छता, स्वास्थ्य और बच्चों की पढ़ाई का महत्व सिखाया। जब भी गांधीजी को जेल में बंद किया जाता, तो कस्तूरबा आगे आकर सभाओं को संबोधित करतीं और आंदोलन की कमान संभाल लेती थीं।

1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान जब गांधीजी को गिरफ्तार किया गया, तो कस्तूरबा ने सीना तानकर मुंबई के शिवाजी पार्क में भाषण देने का फैसला किया। अंग्रेज़ों ने उन्हें भी गिरफ्तार कर पुणे के आगा खां पैलेस में कैद कर दिया। जेल में लगातार गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वे ईश्वर के ध्यान और देश की आज़ादी की प्रार्थना में लगी रहीं। 22 फरवरी 1944 को बापू की गोद में सिर रखकर इस अमर वीरांगना ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, कस्तूरबा गांधी का जीवन हमें सिखाता है कि निस्वार्थ सेवा, सादगी और अंदरूनी आत्मबल दुनिया की सबसे बड़ी ताकत होती है।



.....
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





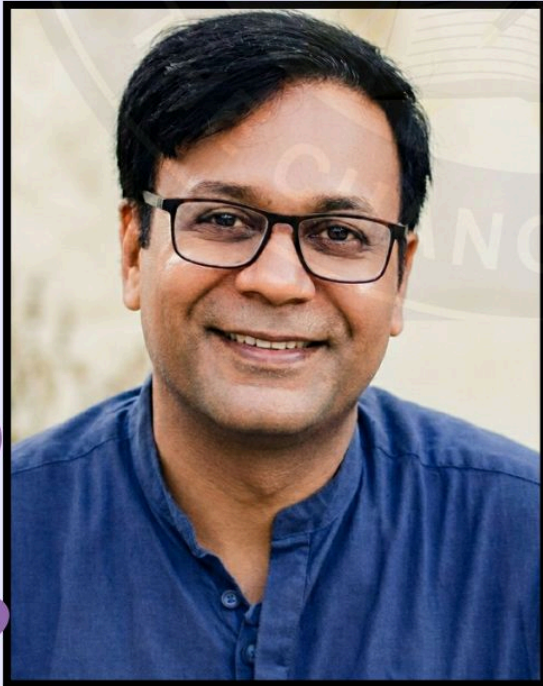
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

इच्छाओं को अपना स्वामी मत बनने दीजिए; विवेक को सारथी बनाइए। जब भी मन में किसी चीज़ के प्रति अंधी ज़िद या अचानक गुस्सा भड़के, तो ठहरकर पहचानिए कि आपका वास्तविक शत्रु बाहर कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि आपके भीतर की यह अतृप्त तृष्णा है।



+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org